











## ਦਾਤਾਨ-ਏ-ਯਾਹਾ-ਏ-ਗਾਈਨ ਰਿਆਲ

देश की अनेक तीव्रगामी रेल गाड़ियों से तो प्रायः यात्रा करने का अवसर मिलता रहा मगर इत्तेफाक से गरीब रथ नामक बहुचर्चित ट्रेन से यात्रा करने का अवसर कभी नहीं मिला था। परन्तु पिछले दिनों यह अरमान भी उस समय पूरा हो गया जबकि एक करीबी रिशेदार के देहांत के सिलसिले में अचानक गरीब रथ से ही मुजफ्फरपुर जाने व इसी ट्रेन से वापसी का भी अवसर मिला। भारतीय रेल द्वारा 2006 में गरीब रथ एक्सप्रेस शूखला की शुरूआत की गयी थी। तत्कालीन रेल मंत्री लाल प्रसाद यादव ने गरीब रथ एक्सप्रेस जैसी कम किराये वाली तथा तीव्रगामी वातानुकूलित रेलगाड़ियों की शुरूआत इसी उद्देश्य से की थी ताकि साधारण लोग भी वातानुकूलित गाड़ियों में यात्रा कर सकें। इस ट्रेन के थी ए सी कोच में साइड में भी मिडिल की ही तरह तीन बर्थ लगाई गयी हैं। निश्चित रूप से किराया व स्टॉपेज कम और रफ्तार अधिक होने की वजह से यह ट्रेन साधारण लोगों की पसंदीदा ट्रेन बन चुकी है। परन्तु इस गरीब रथ एक्सप्रेस में पहली बार यात्रा करने का मेरा जो निजी व कठु अनुभव रहा उसे भी सँझा करना जरूरी है। गत 20 जून को अनुष्ठान से सहरसा जाने वाली 12204 गरीब रथ से मुजफ्फरपुर जाने हेतु ए श्री के कोच नं. जी-11 में (डिब्बा संख्या 084905) मरा आश्रमण था। अन्य वे ट्रेनों के नाम निम्नांकित हैं:



# प्रा. सजय द्विवदा

## लेखक भारतीय जन संचार संस्थान

रामलला विराज और तमाम आँखें सजल हो उठीं। ये अँसू यूं ही नहीं आए थे। ये भारत की लगातार आहुति सभ्यता को एक सुनहरे रोप में प्रवेश करते देखकर भर आई आँखें थीं। अयोध्या को इस तरह देखने विस्तर है। यह शहर सालों से सनातन में था, गहरी उदासी और गहरे अवसान में ढूबा, शांत और उत्साहीन। जैसे इतिहास और समय एक जगह ठहर गया हो और उसने आगे न बढ़ने की ठान रखी हो। दूरस्थ स्थानों से अयोध्या आते लोग भी हनुमान गढ़ी और कनक भवन जैसे स्थानों को देखकर लौट जाते। चौदहकोसी परिक्रमा करते और चले जाते। राम के लिए आए लाखों लोगों में बहुत कम लोग विपाल यटाट में बैठे रामलला के दर्शन करते लैकिन 22 जनवरी का नजरा अलग था। हर राह रामपर्दि की ओर जा रही थी। आँखों में अँसू, चेहरे पर मुस्कान और पैरों में तुफान था। आखिर हमारे राम को उनके अपने घर और शहर में समाप्त मिलते देखना अद्भुत अनुभव

स्थिर था। इसी सत्य को दखने सारी दुनिया टीकी, मोबाइल स्क्रीन पर आँखें गड़ाए बैठती थीं। विवाद का अंत हुआ और सत्यमेव जयते का उद्घोष सार्थक हुआ। यह समाधान सर्वजनहिताय तो था ही।

कभी त्रेता में वनवास गए राम कलयुग में भी एक दुसरी दुविधा के सामने थे। आजाद हिंदुस्तान में भी भारत के इस सबसे लायक बेटे के लिए मंदिर की प्रतीक्षा थी। बाबर के सेनापति द्वारा गिराए मंदिर के सामने पूजा-अर्चना करके आहत समाज यह सौचते हुए लौटता था कि कभी राम का भव्य मंदिर बनेगा। 2024 की यह 22 जनवरी करोड़ों आँखों के सपने सच करने के लिए आई थी। राम भारत के राष्ट्रनायक हैं, जिन्होंने अयोध्या से रामेश्वरम को जोड़ा। वे दीन-दुखियों के, जीवन जीने के लिए संघर्ष करती आम जनता के पहले और अंतिम सहायक हैं। रामचरित मानस और हनुमान चालीसा की पक्षियों को देहराते हुए यह संघर्षरत समाज राम

सरल बनाता रहा है। बावजूद इसके आजादी के बाद भी सबको मुक्ति करने वाले नायक को मुक्ति नहीं मिली। लंबे समय तक तो वो ताले में बंद रहे। अखंड कीर्तन चलता रहा किंतु राहें आसान नहीं थीं। अयोध्या आदालत की यादें आपको सिहर देर्गी। 1990 और 1992 की यादें एक गहरी कड़वाहट घोल जाती हैं राजनीति किस तरह आसान मुद्दों के भी जटिल बनाती है। इसकी कहानी अयोध्या आज भी बताती है। अयोध्या अब अपने सदियों के दर्द से मुक्त मुक्तरा रही है।

A portrait of Lord Venkateswara, the presiding deity of Tirumala, adorned with a golden crown and a garland of flowers, set against a background of colorful flowers.

राष्ट्रजीवन में 15 अगस्त, 1947 से कम महत्पूर्ण नहीं है। क्योंकि 15 अगस्त के दिन हमें अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली थी तो 22 जनवरी को हम संस्कृतिक, वैचारिक दासता और दीनता से मुक्त हो रहे हैं। यह भारत की चिति को प्रसन्न करने का क्षण है। यह आत्मदैन्य से मुक्ति का क्षण है। यह क्षण अप्राप्तिम है। वर्णनातीत है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से लेकर स्व. राजीव गांधी (अपनी अयोध्या यात्रा में) तक रामराज्य लाने की बात करते हैं। किंतु उस यात्रा की ओर पहला कदम आजादी के अमृतकाल में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ाया है। इसलिए सरादेश उनके साथ खड़ा है। कांग्रेस नेता श्री प्रभोद कृष्णन ने सत्य ही कहा है कि यदि श्री मोदी प्रधानमंत्री नहीं होते तो मंदिर निर्माण संभव नहीं होता। नए भारत के स्वपनदृष्टि हैं मोदी रामलला का 496 वर्षों बाद अपनी जन्मभूमि पर पुनःस्थापित होना सबको भावविल ल कर गया। दुनिया भर में और भारतवर्षियों के लिए यह गौरव का क्षण था। इस मौके पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख डा. मोहन भागवत जी ने किसी तरह का राजनीतिक संवाद न करते हुए जो बातें कहीं वो भविष्य के भारत की आधारशिला बनेर्गीं। संघ प्रमुख ने रामराज्य की अवधारणा को व्याख्यायित करते हुए भविष्य के कर्तव्य पथ की चर्चा की। उनका कहना था- आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का स्व लौट आया है। संपूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला एक नया भारत खड़ा होकर रहेगा। उसका प्रतीक यह कार्यक्रम बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर साफ कहा कि राम आग नहीं ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं समाधान हैं। राम विजय नहीं विनय है। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं। यह बात बताती है कि माननीय प्रधानमंत्री एक नए भारत के स्वपनदृष्टि हैं। नया भारत बनाने और उसमें एक जीवंत ऊर्जा का संचार करने के लिए मूर्ति स्थापना के लिए 11 दिनों ब्रत विधानपूर्वक बिना ठोस भोज लिए पूर्ण किया, बल्कि उनकी विरासी सोच ने इस आयोजन को और अधिक भव्य और सरोकारी बना दिया। देश के विविध क्षेत्रों की माननीय प्रतिभाओं को एक स्थान पर एक कर कर राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट ने इस आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान कर राजनीति से परे हटकर इस घटना विशेषण करना ही इसे सही अर्थ समझना होगा। तभी हम भारत और उसकी महान जनता के मन में राम को समझ पाएंगे। ह्यासबके राम सबमें राम की भावना स्थापित कर हम राममंदिर को राष्ट्रमंदिर में बदल सकते हैं। जिससे मिलने वाली ऊर्जा दिल को जोड़ने, मनों को जोड़ने का करके रोगी। यह अवसर भारत का भारत परिचय कराने का भी है। जननामनस आई आध्यात्मिक और नैतिक चेतना को देखकर लगता है कि भारत एक नई यात्रा प्रारंभ हुई है, जो चल रहीं बिना रुके, बिना थके।

The image consists of two panels. The left panel shows a black silhouette of a person holding a large red heart-shaped balloon against a background of horizontal lines. The right panel shows four balloons with text in Marathi: 'साक्षय वाट' (Saakshay Vat) at the top, followed by 'कृतिकां तुरंगा वापरा' (Kritikāं turṅga vapara), 'जीवन अपेक्षा' (Jīvan apekṣā), and 'विद्या वापरा' (Vidya vapara) at the bottom.

# बालकों की सुरक्षा एवं आधिकार्यों की प्राप्ति

बालकाज का, वा जार नहा भिल रहा जा पराहनामर र न कहा था कि जार भगवान न एक रत्न बनाया ह, उसका धर न खुशहाली की देवी के रूप मे इज्जत देनी चाहिए। मनु ने भी औरतों को सम्मान देने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी परिवार का खुशहाल होना औरत को सम्मान देने से सीधा संबंध रखता है। परंतु भारतीय समाज में इस समय औरतों की स्थिति इतनी आदरणीय नहीं है। उनको हर जगह असमानता का सामना करना पड़ रहा है। इसी को दृष्टिगत रखकर, भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008 से राष्ट्रीय बालिका दिवस हर साल 24 जनवरी को एक नए थीम के साथ मनाने का फैसला लिया, ताकि बालिकाओं के अधिकारों तथा असमानता के बारे में बालिकाओं और नागरिकों को जागरूक किया जा सके तथा बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा दिये तथा उनके शोषण को रोका जा सके। उनके ऊपर लगी पांचदियों से उन्हें वायु की तरह मुक्त करके पुरुषों के समान दर्जा दिया जा सके, ताकि वो अपना दिव्य रूप पहचान सकें और पितृसत्तात्मक, पूंजीवादी, उपभोक्तावादी सत्ता, जिसका बोझ औरत सदियों से सहन कर रही है, से टकराने की ओर बढ़े, क्योंकि पुरुष अभी भी उच्च सामाजिक स्थिति पाए हुए हैं और पारंपरिक सामाजिक अधिकार औरतों के लिए नहीं छोड़ा चाहते



स्वतंत्र लेखक है। दिवस हर साल 24 जन

लोकपाल कानून अनुच्छेद 1 का अनुवाद है, जो 1 से 14 वर्ष आयु वर्ग में अन्तर्भूत है। बच्चे ही देश का भविष्य तथा सभा का दर्पण होते हैं। उनके लिए सरकार बड़ा पोषण वातावरण होता है, जिसमें वे पलते हैं। उनको किसी भी हानिकारक शोषण और दुर्घटनाओं से बचाना चाहिए तथा उनके अधिकारों का आदर करना चाहिए। यही समाज और हर नागरिक का क्रतव्य है और स्वस्थ समाज और देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति सच्चाय संवेदन है। परंतु बालिकाओं को, वे आदर नहीं मिल रहा जो बगाहमिहर ने कहा था कि औरत भगवान ने एक राम बनाया है, उसको घर में खुशहाली करने देवी के रूप में इज्जत देनी चाहिए। मृत्यु ने भी औरतों को सम्मान देने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी परिवार का खुशहाल होना औरत को सम्मान देने से सीधा संबंध रखता है। परंतु भारतीय समाज में इस समय औरतों की स्थिति इतनी आदरणीय नहीं है। उनको हजार जगह असमानता का सामना करना पड़ता रहा है। इसी को दृष्टिगत रखकर, भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008 से राष्ट्रीय बालिका

यह काला चनाव का नाम है, ताकि बालिकाओं के अधिकारों तथा असमानता के बारे में बालिकाओं और नागरिकों को जागरूक कर जा सके तथा बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा मिले तथा उनके शोषण को रोका जा सके। उनके ऊपर लगी पार्बदियों से उन्हें वायु की तरह मुक्त करके पुरुषों के समान दर्जा दिया जा सके, ताकि वो अपना दिव्य रूप पहचान सकें और पितृसत्तात्मक, पूंजीवादी, उपभोक्तावादी सत्ता, जिसका बाज़ औरत सदियों से सहन कर रही है, से टकराने की ओर बढ़े, क्योंकि पुरुष अभी भी उच्च सामाजिक स्थिति पाए हुए हैं और पारंपरिक सामाजिक अधिकार औरतों के लिए नहीं छोड़ा चाहते। भारत सरकार एवं राज्य सरकारों ने लड़कियों को आगे बढ़ाने तथा सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए बहुत से प्रोग्राम शुरू किए हैं जिनमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सीबीएसई छात्रवृत्ति योजना, बालिका समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री राजश्री योजना, माझी बेटी बालिका योजना, बेटी के होने पर 50000 रुपए का मदद, गर्भवती महिला को प्रसव पूरा होने के बाद 6400 रुपए, मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री कव्य विवाह योजना और कन्या सुमंगल योजना आदि शामिल हैं। इन योजनाओं से बालिकाओं के लिंगानुपात में सुधार, कानूनी अधिकार, शिक्षा चिकित्सा देखभाल, शादी आदि में सहायता तथा अवसर प्रदान हुए हैं, इसके साथ बालिका लिंग सुधार के लिए अलट्टासांडुं केंद्रों में गर्भधारण के बाद लिंग की जांच को कानूनी अवैध, बाल विवाह अवैध तथा 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए मुफ्त तथा जस्ती शिक्षा की सुविधा दी जाती है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसेस अधिनियम के सख्ती से लागू करने के बावजूद 0-6 वर्ष की बाल लिंगानुपात में सुधार नहीं हुआ। 1991 में देश में 1000 बालकों पर 945 बलिकाएं थीं जो 2001 में 927 तथा 2011 में 918 हो गई। हरियाणा में स्थिति और खराब है। यहां रोहतक जिले के कुछ गांवों में यह दर 2023 में 800 से भी नीचे है।

बहुत से देशवासियों की है। कई जगह तो लड़कों की सादी के लिए लड़कियां दूसरे राज्यों से तस्करी करके लाई जा रही हैं। सवाल है कि अगर बेटी जन्म न लेगी घर में, बहू कहां से लाओगे, बेटे से वंश चलाने की चाहत में बहू बिन वंश कैसे चलाओगे? सरकार द्वारा बालिकाओं की सुरक्षा के लिए बहुत से कानून बनाए गए हैं। इसके बावजूद बालिकाएं विभिन्न अपराधों की शिकार हो रही हैं।

इनमें से जो अपराध 18 वर्ष की आयु के नीचे वाले बच्चों से होता है, भारत में उसे बच्चों के विरुद्ध अपराध कहते हैं। ये अपराध हैं: हत्या, अपहरण, यौन शोषण, परित्याग करना, तस्करी, जन्म पूर्व लिंग निर्धारण, कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, जबरदस्ती विवाह, तेजाब हमला, दहेज उत्पीड़, बाल प्रोनोग्राफी, बाल वेश्यावृत्ति के लिए जबरन अपहरण, जबरन विवाह, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, अगों के प्रत्यारोपण के लिए अपहरण, सम्मान के नाम पर किया अपराध, लज्जा भंग, सड़क पर यौन उत्पीड़, स्कूलों में अपाद और बाल अपराध के नाम पर बहुत से देशवासियों की है। अपाद और बाल अपराध को 7 जनवरी 2023 को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी ने एक प्राइवेट रामदुलर (उत्तर प्रदेश) को 25 साल की सजा एक लड़का से बलात्कार पर दी गई। 10 नवंबर 2023 को पथनमिथ्तापुर (केरल) में एक 63 वर्षीय व्यक्ति को अपनी नाबालिग बेटी से बलात्कार करने का आरोपी पाए जाने पर अदालत 109 वर्ष की सजा सुनाई। पालघर (महाराष्ट्र) के नालासोपारा के एव्यक्ति ने अपनी बेटी से बार-बालात्कार किया, फिर पीटने से उसकी मौत हो गई। पुणे में 50 वर्षीय एव्यक्ति के विरुद्ध नाबालिग बेटी से बार-बार बलात्कार तथा गर्भवती करने पर केस दर्ज हुआ। ऐसे तो बहुत से मामले हो रहे हैं, परंतु इन चंद मामलों के ऊपर नजर डालें तो पता चलता है कि सभी में पिता-पुत्री, गुरु-शिष्य के रिश्तों वाले जो मर्यादा है उसको अमर्यादित पूरा ने तार-तार कर दिया है। बालिकाओं प्रति अपराध को रोकने तथा उनके प्रसार समाज की सोच को बदलने की सख्ती जरूरत है।

## पंस ता २ के चुनाव

चुनाव कराने का अटकल भा चल रही है। भाजपा के रणनीतिकार राम मंदिर मुद्दे पर बने माहौल के कारण लोकसभा चुनाव के लिए बेसब्र दिखाई दे रहे हैं। वहीं विपक्षी दल कहीं गठबंधन तो कहीं प्रत्याशियों के चयन के कारण कोई उत्तरावलपन नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, प्रदेश में भाजपा विधानसभा चुनाव में भारी जीत दर्ज करने के बाद सभी 29 लोकसभा सीट जीतने की दावा कर रही है और इसके लिए लड़ने का है। जिन 10 साठा पर विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी का प्रदर्शन कमज़ोर रहा है वहां पर फरवरी माह में ही प्रत्याशी घोषित हो सकते हैं। इसके अलावा जिन सात सांसदों को विधानसभा चुनाव में टिकट दिया गया था उनमें से पांच सीटों पर सांसद विधायक बन चुके हैं जबकि सतना सांसद गणेश सिंह और मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते चुनाव हार गए हैं ऐसे में इन सात सीटों पर भी पार्टी का विधायक बन चुके हैं। जिन सात सीटों पर भी प्रत्याशी घोषित हो सकते हैं।

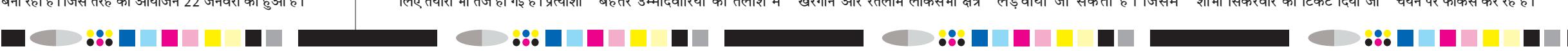
इसके अलावा जिन सात सांसदों को विधानसभा चुनाव में टिकट दिया गया था उनमें से पांच सीटों पर सांसद विधायक बन चुके हैं जबकि सतना सांसद गणेश सिंह और मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते चुनाव हार गए हैं ऐसे में इन सात सीटों पर भी पार्टी का विधायक बन चुके हैं। जिन सात सीटों पर भी प्रत्याशी घोषित हो सकते हैं।

किसां दिग्गज नता का चुनाव मदन म उतारा जा सकता है। यहां तक कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का भी नाम चचाऊं में है। पिछले लोकसभा चुनाव में जब कमलनाथ मुख्यमंत्री थे तब उनके बेटे नकुलनाथ लगभग 38000 वोटों से ही चुनाव जीत पाए थे और तभी से पार्टी 2024 का लक्ष्य लेकर चल रही है लेकिन छिंदवाड़ा के अलावा मुरैना, भिंड, ग्वालियर, मंडल, टीकमगढ़, बालाघाट, धार, सदरदयों को भी लोकसभा का चुनाव

अभा स का जान लगा है। पाटा विधानसभा चुनाव में हारे उन नेताओं को भी मैदान में उतार सकती है जो दमखम के साथ चुनाव लड़ सके। मसलन शिवराज सिंह चौहान, नरोत्तम मिश्रा, अनूप मिश्रा को भी मैदान में उतारा जा सकता है। शिवराज सिंह चौहान को छिंदवाड़ा के साथ-साथ भोपाल और विदिशा से भी मैदान में उतारने की चर्चा है। कुछ राज्यसभा सदस्यों को भी लोकसभा का चुनाव

कांग्रेस म भा प्रत्याशीयों का लकर चिंतन मंथन चल रहा है। पार्टी का सबसे ज्यादा जोर दिग्गज नेताओं को लोकसभा चुनाव लड़ने पर रहेगा यहां तक कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को छिंदवाड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को राजगढ़ से लोकसभा का चुनाव पार्टी लड़ा सकती है। उसके अलावा पूर्व नेता प्रतिष्ठक गोविंद सिंह को मुरैना से वहीं फूल सिंह बैरे या को भिंड से और ग्वालियर सीट पर प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी

सकता है। जबलपुर लोकसभा से तरुण भनोट या विनय सक्सेना खंडवा लोकसभा सीट से अरुण याद और इंदौर में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को मैदान में उतारने वे रणनीति पर मंथन हो रहा है। झाबुआ रतलाम, लोकसभा सीट पर कांतिला भूरिया या डॉक्टर हीरालाल अला प्रत्याशी हो सकते हैं। कुल मिलक लोकसभा चुनाव के लिए दोनों ओर लोकसभा चुनाव के लिए दोनों ओर प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी







## संक्षिप्त खबरें

कपूरी ठाकुर को मारत रहे देने पर जारी हर्ष: दरकंठ रही

कपूरी, अरवल बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री रव जनानायक कपूरी ठाकुर को भारत रव देने पर अरवल एआईएफएफ के तरफ से उन्हें परिवार और समर्थकों को बधाई और सुधाकरना दी। एआईएफएफ के जिला सचिव राकेश राजनायक ने प्रेस बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कपूरी ठाकुर बिधार्यों जैव मेराजीतकी शुल्क आत एआईएफएफ से की है। इस संग्रह में उन्मुंडन विधी रही थी। अरवल ने भारतीय स्वतंत्रता संग्रह में भी भाग लिया तथा भागलपुर जेल भी गये। कपूरी ठाकुर का जीवन एक दशन है। उनके सिद्धांत और व्यवहार में कोई फ़र्क नहीं रहे। उन्हें डैन और रहने पर रहने के बाद भी उनका अपना घर भी नहीं था। वे एक असली समाजादी लेता था, जिन्होंने जु़क्के भी किया समाज के लिये किया।

उत्पाद पुलिस ने शराब के साथ कारोबारी को किया गिरफ्तार शेरघाटी। उत्पाद थाना के पुलिस ने बुधवार को मोर्टार नदी के किनारे पर विनिर्मित रिंग रेड से चार बाइक सहित भारी मात्रा में देसी शराब पर्छ महुआ के साथ घोंदाल बधाईजांज को गिरफ्तार किया है। शराब की खेप एवं महुआ का बांदरों लेकर हाँदांजांज झारखंड के अलाउद्दीन शराबी रही थी। इसी भारतीय स्वतंत्रता संग्रह में भी भाग लिया तथा भागलपुर जेल भी गये। कपूरी ठाकुर का जीवन एक दशन है। उनके सिद्धांत और व्यवहार में कोई फ़र्क नहीं रही थी। उन्हें डैन और रहने के बाद भी उनका अपना घर भी नहीं था। वे एक असली समाजादी लेता था, जिन्होंने जु़क्के भी किया समाज के लिये किया।

उत्पाद पुलिस ने शराब के साथ कारोबारी को किया गिरफ्तार

शेरघाटी। उत्पाद थाना के पुलिस ने बुधवार को मोर्टार नदी के किनारे पर विनिर्मित रिंग रेड से चार बाइक सहित भारी मात्रा में देसी शराब पर्छ महुआ के साथ घोंदाल बधाईजांज को गिरफ्तार किया। आयोजन के क्रम में प्रधानमंत्री रोजाना सूजन कार्यक्रम (पीएमजीपी) के तहत कुल 12 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खात्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमड) के तहत 17 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। उद्योग विभाग द्वारा कुल 02 क्रॉड 69 लाख 42 हजार रुपयों का ऋण वितरण किया गया। सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया गया एवं पीएमजीपी एवं पीएमएफएमड योजनाओं का स्वीकृति एवं वितरण का लक्ष्य प्राप्त करें।

गार्हणीट मामले में दोनों पक्ष से मुकदमा हुआ दर्ज

शेरघाटी। उत्पाद क्षेत्र के बार तकिया गंग में बुधवार को मार्गीट एवं गाली गलौज के मामले को लेकर पुलिस ने दो अलाउद्दीन साधारणीयों की दर्ज किया। यानाध्यक्ष विभाग के अधिकारी ने प्रधानमंत्री को भारतीय स्वतंत्रता संग्रह में भी भाग लिया तथा भागलपुर जेल भी गये।

उत्पाद पुलिस ने शराब के साथ कारोबारी को किया गिरफ्तार

## जिलाधिकारी के पहल पर सदर अस्पताल में जिला 6 विशेषज्ञ चिकित्सक

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के प्रयास से जिले के सबसे बड़े अस्पताल सदर अस्पताल अरवल एआईएफएफ के तरफ से उन्हें परिवार और समर्थकों को बधाई और सुधाकरना दी। एआईएफएफ के योगदान के रूप में डाक्टर जिशनूल हक के योगदान के साथ जिला पदाधिकारी अरवल के प्रयास से सबर अस्पताल अरवल में निशुल्क अल्ट्रासाउंड सेवा हुई प्रारम्भ। सर्जन के रूप में डाक्टर मनप्रीत सिंह तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं एनेस्थेटिस्ट की कमी हुई दूर अब सदर अस्पताल में शीघ्र प्रारंभ होगी निःशुल्क सिजेरियन प्रसव की सेवा।

साथ ही जिला पदाधिकारी द्वारा मिशन बुनियाद की सफलता स्वास्थ्य उप केंद्र पर जनमानस को उल्लंघन कराए जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर तरीके से उपलब्ध कराने के निर्देश



दिए गए। उन्होंने कहा कि अरवल जिला की जहां की स्वास्थ्य सेवा का मूल आधार स्वास्थ्य अधिकारक जिनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। इनकी कार्यशीलता को और बेहतर तरीके से उपलब्ध कराने के लिये किया गया।

## डीएम ने उद्योग विभाग की आयोजित कार्यक्रम को दीप प्रज्वलित कर किया उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह की अध्यक्षता में समारोहणालय सभाकाश में उद्योग विभाग से संबंधित योजनाओं का ऋण स्वीकृति एवं वितरण कैम्प का आयोजन दीप प्रज्वलित कर कर उद्घाटन किया। आयोजन के क्रम में प्रधानमंत्री रोजाना सूजन कार्यक्रम (पीएमजीपी) के तहत कुल 12 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खात्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमड) के तहत 17 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। उद्योग विभाग द्वारा कुल 02 क्रॉड 69 लाख 42 हजार रुपयों का ऋण वितरण किया गया। सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया गया एवं पीएमजीपी एवं पीएमएफएमड योजनाओं का स्वीकृति एवं वितरण का लक्ष्य प्राप्त करें।

गार्हणीट मामले में दोनों पक्ष से मुकदमा हुआ दर्ज

शेरघाटी। उत्पाद थाना के बार तकिया गंग में बुधवार को मोर्टार नदी के किनारे पर विनिर्मित रिंग रेड से चार बाइक सहित भारी मात्रा में देसी शराब पर्छ महुआ के साथ घोंदाल बधाईजांज को गिरफ्तार किया। आयोजन के क्रम में प्रधानमंत्री रोजाना सूजन कार्यक्रम (पीएमजीपी) के तहत कुल 12 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खात्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमड) के तहत 17 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। उद्योग विभाग द्वारा कुल 02 क्रॉड 69 लाख 42 हजार रुपयों का ऋण वितरण किया गया। सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया गया एवं पीएमजीपी एवं पीएमएफएमड योजनाओं का स्वीकृति एवं वितरण का लक्ष्य प्राप्त करें।

जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह की अध्यक्षता में समारोहणालय सभाकाश में उद्योग विभाग से संबंधित योजनाओं का ऋण स्वीकृति एवं वितरण कैम्प का आयोजन दीप प्रज्वलित कर कर उद्घाटन किया। आयोजन के क्रम में प्रधानमंत्री रोजाना सूजन कार्यक्रम (पीएमजीपी) के तहत कुल 12 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खात्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमड) के तहत 17 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। उद्योग विभाग द्वारा कुल 02 क्रॉड 69 लाख 42 हजार रुपयों का ऋण वितरण किया गया। सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया गया एवं पीएमजीपी एवं पीएमएफएमड योजनाओं का स्वीकृति एवं वितरण का लक्ष्य प्राप्त करें।

गार्हणीट मामले में दोनों पक्ष से मुकदमा हुआ दर्ज

शेरघाटी। उत्पाद क्षेत्र के बार तकिया गंग में बुधवार को मोर्टार नदी के किनारे पर विनिर्मित रिंग रेड से चार बाइक सहित भारी मात्रा में देसी शराब पर्छ महुआ के साथ घोंदाल बधाईजांज को गिरफ्तार किया। आयोजन के क्रम में प्रधानमंत्री रोजाना सूजन कार्यक्रम (पीएमजीपी) के तहत कुल 12 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खात्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमड) के तहत 17 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। उद्योग विभाग द्वारा कुल 02 क्रॉड 69 लाख 42 हजार रुपयों का ऋण वितरण किया गया। सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया गया एवं पीएमजीपी एवं पीएमएफएमड योजनाओं का स्वीकृति एवं वितरण का लक्ष्य प्राप्त करें।

गार्हणीट मामले में दोनों पक्ष से मुकदमा हुआ दर्ज

शेरघाटी। उत्पाद क्षेत्र के बार तकिया गंग में बुधवार को मोर्टार नदी के किनारे पर विनिर्मित रिंग रेड से चार बाइक सहित भारी मात्रा में देसी शराब पर्छ महुआ के साथ घोंदाल बधाईजांज को गिरफ्तार किया। आयोजन के क्रम में प्रधानमंत्री रोजाना सूजन कार्यक्रम (पीएमजीपी) के तहत कुल 12 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खात्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमड) के तहत 17 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। उद्योग विभाग द्वारा कुल 02 क्रॉड 69 लाख 42 हजार रुपयों का ऋण वितरण किया गया। सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया गया एवं पीएमजीपी एवं पीएमएफएमड योजनाओं का स्वीकृति एवं वितरण का लक्ष्य प्राप्त करें।

गार्हणीट मामले में दोनों पक्ष से मुकदमा हुआ दर्ज

शेरघाटी। उत्पाद क्षेत्र के बार तकिया गंग में बुधवार को मोर्टार नदी के किनारे पर विनिर्मित रिंग रेड से चार बाइक सहित भारी मात्रा में देसी शराब पर्छ महुआ के साथ घोंदाल बधाईजांज को गिरफ्तार किया। आयोजन के क्रम में प्रधानमंत्री रोजाना सूजन कार्यक्रम (पीएमजीपी) के तहत कुल 12 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खात्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमड) के तहत 17 लाभार्थियों को ऋण वितरण किया गया। उद्योग विभाग द्वारा कुल 02 क्रॉड 69 लाख 42 हजार रुपयों का ऋण वितरण किया गया। सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया गया एवं पीएमजीपी एवं पीएमएफएमड योजनाओं का स्वीकृति एवं वितरण का लक्ष्य प्राप्त करें।

गार्हणीट मामले में दोनों पक्ष से मुकदमा ह





